बुशैरी भाषा लै पौड़नें-लिक्णेओं त्रिकौ

(बुशैरी भाषा को पढ़ने और लिखने का तरीका)

शाड़ 2024

बुशैरी भाषालै पौड़नें-लिक्णेओं त्रिकौ

बुशैरी भाषा को लिखने का तरीका

Bushahri spelling guide

ईंआ कताबा छाप्णेओं बौक्त शाड़ 2024

त्यार कौरनें वाळै:

अर्जुन सिंह, देशराज मस्ताना, संगीता, पंकज मिश्रा, प्रदीप दत्ता, गुरध्यान सिंह

सूत्रधार: बिन्नी अब्राहम, हिम्मत लाल नेगी

भाषा वैज्ञानिक सलाहकार: बिन्नी अब्राहम

क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरअलाइक (CC BY-SA): यह लाइसेंस आपको इस कार्य को साझा करने, अनुकूलित करने और उपयोग करने की अनुमति देता है, बशर्ते कि आप मूल रचनाकार को उचित श्रेय दें और यदि आप सामग्री को संशोधित करते हैं या उस पर आधारित कोई नई सामग्री बनाते हैं, तो आपको उसे समान लाइसेंस (ShareAlike) के तहत वितरित करना होगा।

प्रकाशक: मसीही समुदाय एवं जनकल्याण संगठन, रामपर बुशैर जिला, शिमला (हि. प्र)

बुशैरी भाषी ज़ांणकारी (प्रस्तावना)

बुशैरी भाषा (कोई 2.5 लाक) लोग बोला। रामपर, ज़ेओरी, 9/20, 10/100, 12/20, 15/20, तकळेच, निरथ-नौगर, नडकरी, कोडगर खमारश्णे किच़ ग्रांऊ सातै निरमोंडै किच़ ग्रांऊ/ ज़िलौ शिमलौ सातै कुड़ूऔ कुच़ लाकौ) (बुशैरी भाषालै पौड़नें सातै लिक्णेओं त्रिकौ) 2024 - शाड़ मिंनी -08 तारिका का-12 तारिका सेका रामपरा दी बुशैरी भाषा बोल्णे वाड़ै सातै भाषै-ज़ांणकार लोग ज़ुंणीऐं जौ त्यार किऔ। आज़ा सेका बुशैरी भाषा पौड़नी लिक्णी किच़ कोशिष नां ऊई। जौ क्ताब मारी भाषालै पौड़नें लिक्णे त्रिकैलै बांकैका दखांऊंआं। ज़ेई बुशैरी भाषा बोल्णेवाड़ै सातै भाषै-ज़ांणकार लोग बेशैदै तै तेई तिंनें एक बुशैरी औख्रमाळा त्यार की, ज़िऊऐ नांऊं ईंआं क्ताबादी आ लिकैदै।

जौ क्ताब पैली बेरा भाषालै पौड़नें लिक्णेंओं एक बांकौ त्रिकौ दखांऊंआं। सातै औख्रालै निंमें मताब्क त्रिकैका लिक्णालै औख्रमाळा, शरतांन्त कांहणी सातै औख्रौ एक बांकौ त्रिकौ दखांऊंआं। मारौ ज़ौत्न ईंआं कताबादी किच़बी कांमी नां थोंणी आं, तैबी ज़ै किच़ कांमी रोंआं तै हाँमे तुंमूंलै थारी राई-सलाईलै छ़ांदौ आ कौरदै लागैदै, ताकी हाँमें तिंनां कांमीलै स्दारीऔ ठिक कौरी, तै पौ पाच़की बेरा एक सौब्का बांकौ त्रिकौ सोंम्नें च़ेंईं आऔ।

हाँमें आश लांईं एत्ताका बुशैरी भाषादी लखाईऐ दौरी शुरूआत ओंआं, ज़िऊका मारी भाषा आगै भौड़ा, सातै आगै आंणें वाड़ै बौक्तादी औज़ौबी खासी बांकी ज़ांणकारी फैला।

प्रस्तावना

बुशैरी भाषा (लगभग 2.5 लाख) लोगों द्वारा बोली जाती है और समुदाय (रामपूर, ज्यूरी, 9/20, 10/100, 12/20 15/20, तकलेच, निरथ-नगर, ननखरी, कोटगढ़, कुमारसैन का कुछ भाग और निरमंड का कुछ भाग / जिला शिमला और कुल्लू का कुछ भाग) में रहते है। (बुशहरी भाषा को पढ़ने और लिखने की विधि) 08 से 12 जुलाई 2024 तक (रामपूर) पर आयोजित एक कार्यशाला में विकसित किया गया है। आज तक बुशैरी भाषा को व्यवस्थित रूप से लिखने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। यह पुस्तक हमारी भाषा की वर्तनी (लिखने और पढ़ने) का एक व्यवस्थित तरीका सुझाती है। कार्यशाला में भाषाविद्वानों और समुदाय के सदस्यों की मदद से एक वर्णमाला विकसित की गई, जिनके नाम पुस्तक में लिखे गए हैं।

यह पुस्तक पहली बार भाषा को पढ़ने और लिखने की प्रक्रिया का मार्गदर्शन करने के लिए कुछ वर्तनी नियम (अक्षर वर्तनी नियम), सुझाई गई वर्णमाला, नमूना कहानियाँ और एक छोटा शब्दकोष सुझाती है। पुस्तक को त्रुटिरहित रखने के हमारे प्रयासों के बावजूद, कुछ त्रुटियाँ हो गई होंगी। इसलिए, हम आपको अपने बहुमूल्य सुझाव देने के लिए आमंत्रित करते हैं, ताकि उन त्रुटियों को सुधारा जा सके और बाद में पुस्तक का अंतिम संस्करण सामने आए। हम आशा करते हैं कि इससे बुशहरी भाषा के लेखन का इतिहास शुरू होगा, जिससे हमारी भाषा आगे बढ़ेगी, बेहतर होगी और भविष्य में और अधिक साहित्य विकसित होगा।

बुशैहरी भाषा क्षेत्र
लाहौल और स्पीति
कुल्लू
मंडी
किन्नौर
6/20
ज़ेओरी
15/20
10/100
9/20
रामपर
12/20
तकळेच
खमारश्ण
कोडगर
नडकरी
शिमला
सोलन
Language area
State boundary

बुशैरी औखरमाळा

स्वर

ओ	औ	आ	इ	ई
उ	ऊ	ए	ऐ	अं

स्वर तैईया मात्रे

ओ	औ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ऐ	अं	अँ
ो	ौ	ा	ि	ी	ु	ू	े	ै	ं	ँ

व्यंजन

क	ख	ग	घ	
च	छ	ज	झ	
च़	छ़	ज़	झ़	
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म

य	र	ल	व	श	ष	स
ह	क्ष	त्र	ड़	ढ़	ळ	

कौठै ज़ुड़ैदै औख्र

प्प	म्ट	न्म	ल्द	प्ट	स्ण	प्स	स्त	क्त	ग्य
म्च	म्म	म्ण	ग़्ग	प्ड़	म्ब	स्त्र	म्न	स्ल	म्ड़

बुशैरी स्वर तैईया तेतै उदारण

अक्षर	बुशैहरी शब्द	हिन्दी
ओ	ओख्र	बर्तन
औ	औस्र	फरक
आ	आशौ	ज्योती
ई	ईंण	चमगादड़
उ	उबी	ऊपर
ऊ	ऊड़टौ	विपरित
ए	एत्रौ	इतना
ऐ	ऐंनौं	थन

बुशैरी ब्यंजन तैईया तेतै उदारण

अक्षर	बुशैरी शब्द	हिन्दी
क	काऊड़ौ	कौआ
ख	खासौ	ज्यादा
ग	गुंड	पालतु पशु
घ	घाडौ	निकालो
च	चीश	प्यास
छ	छौकौ	छक्का
ज	जारी	व्यविचार
झ	झिमड़ी	जहरीली मक्खी
च़	च़िमटौ	चिमटा
छ़	छ़ाली	मक्की
ज़	ज़ानु	घुटना
झ़	झ़ुड़कै	कपड़ै
ट	टाकर	बराबरी
ठ	ठेर	पहाड़

ड	डोखरै	खेत
ढ	ढिबर	तलाब
प	पाच	पता
फ	फिफड़ी	तितली
ब	बाशटु	गाय का बच्चा
भ	भ्राग	बाघ
म	माँज़	बिच में
य	याद	स्मर्ण
र	रिंक	भालू
ल	लाटु	बल्ब
व	वाड़ै	वालै
स	सांन	शाम
श	शाकड़ी	पापड़
ह	हुदी	नीचे
ळ	शळाई	बुनाई की तार

बुशैरी भाषै आखरमाळै नीम

1. बुशैरी भाषा दी 10 स्वर तैईया 40 व्यंजन आं।
   (बुशहरी भाषा में 10 (दस) स्वर और 40 (चालीस) व्यंजन है।)
2. बुशैरी भाषा दी स्वरी मेड़टी हिन्दी का लैदै आ, ताकी तीनां भाषै ज्ञानी तैईया भाषा बोलणेवाड़ै ऐ नौज़रीऐ का बांकै का मेड़टी दी थौई भोड़ी। औख्री मेड़टीलै औख्र माळा दी शाऔ।
   (बुशहरी भाषा में स्वरों का क्रम हिन्दी से अलग है। ताकि उन्हें भाषा वैज्ञानिकों और सामुदायिक दृष्टिकौन से उचित रूप से समूहीकृत किया जा सके। वर्णमाला के समूँह वर्णमाला चार्ट को देखे।)
3. बुशैरी भाषा दी (अ) औख्र इस्तीमाल खुलीऔ नां ओंदौ। एत्तांईं बुशैरी औख्र माळादी (अ) औख्र नेंईंआं दखाऊऔदौ।
   (बुशहरी भाषा में (अ) का प्रयोग प्रत्यक्ष रूप से नहीं होता है। इसलिए बुशहर की वर्णमाला मे (अ) को नही जोड़ा गया है।)
4. हिन्दी औख्रमाळा दी च़ छ़ ज़ झ़ ड़ ढ़ सातै ळ औख्र नेंईंआं। पर बुशैरी औख्रमाळा दी एतौ इस्तीमाल ओंआं। तैईया बुशैरी औख्रमाळा दी अ ऋ अ: स्वर सातै ङ ञ ज्ञ व्यंजन इस्तीमाल नां ओंदै। एत्तांईं जै औख्र बुशैरी औख्र माळादी नां ओंदै।
   (हिन्दी वर्णमाला मे च़ छ़ ज़ झ़ ळ ड़ और ढ़ वर्ण नहीं पाए जाते है। जबकि बुशहरी भाषा में इसका इस्तेमाल किया जाता है। बुशहरी वर्णमाला मे अ ऋ अ: स्वर तथा ङ, ञ और ज्ञ व्यंजनों का इस्तेमाल नहीं किया जाता है, अत: यह वर्णमाला मे नहीं मिलता है।)

5. नाळ, बाळ, हुळ, ईनां बेंणादी पाच़ा आंणेवाड़ै औख्रालै हाँमें बुशैरी भाषादी (ळ) शादै न्शांणाका दखांऊंईं। सातै बैळकौ, हौळकौ, हौळज औख्रा माँज़ आंणे-वाड़ै शादालै (ळ) न्शांणा का दखांऊंईं।

   (नाळ, बाळ, हूळ, इन शब्दों के अंत मे आने वाले ध्वनि को हम बुशहरी भाषा मे ळ चिन्ह से दर्शाते है। और बैळक, हाळक तथा हळज शब्द के बीच मे आने वाली ध्वनि को ळ चिन्ह से दर्शाते है।)

6. बुशैरी औख्र माळादी ड़,ढ़ औख्र बी जोड़ैदै आ, ज़ेंणे ब्ड़ैई क्ड़ाई, पौढ़ौ, बौढ़ी, ज़ेऐ बेंणांदी इस्तीमाल ओंआ।

   (अक्षर ड़ और ढ़ को बुशहरी वर्णमाला मे जोड़ा गया है। जैसे की बड़ाई, कड़ाई, शड़ाई, पौड़ौ और बौड़ी शब्दों मे इस्तेमाल किया जाता है।)

7. च़ाँदी, माँज़, शाँण ज़ेऐ बैंण नाक-शांगै का नीकड़ा ईंनां खोज़्णांलै बुशैरी भाषा दी (ँ शादौ) इस्तीमाल आ किऔदौ। ज़ांन, धांन, तैईया च़ांब्ड़ौ ज़्ऐ बेंण नाका का आं ईंनां खोज़्णालै (ं शादौ) इस्तीमाल सातै नाँणों,आँणों, चाँणों पर ज़ै एतादी स्वरी मात्रा तैईया (ँ) एकी बराबर आं तै (ँ) न्शांणी ज़ागा दी (ं) न्शांणों इस्तीमाल ओंआ।

   (चाँदी, माँझ और शाँण इत्यादि शब्दों में स्वर का अनुनासिक को दर्शाने के लिये बुशहरी भाषा में ँ और जांन, धांन और च़ांब्ड़ौ इत्यादि नासिक ध्वनियों को दर्शाने के लिये ं चिन्ह का प्रयोग और आँणों, च़ाँणों,नाँणों इत्यादि अनुनासिक शब्दों में स्वर की मात्रा और ँ एक सात आती है। तो ँ चिन्ह की जगह में ं चिन्ह का ही उपयोग किया जाएगा।)

8. कौर्ज़, फौर्ज़, ख़ौर्च इनां बेंणा दी (र्) मात्रौ इस्तीमाल आ किऔदौ, कीलैकी जौ बाकी व्यांजना मैसी च़ोरदीऔ नाती।

(वर्णमाला चार्ट में ङ और ञ के स्थान रिक्त छोड़ दिए गए हैं क्योंकि अन्य प्रतीकों को 'क' वर्ग या 'च' वर्ग के अंतर्गत नहीं माना जा सकता है।)

9. गुद्ड़ तैईया ज़ाद्ड़ौ ज़्ऐ बेंणादी आदै औख्रौ न्शांण इस्तीमाल कौरीऔ कौठै नां भोड़दै ज़ोड़ी बौल्की पैलै आंणेवाड़ै व्यांजना तोड़शै हलांत जां लांणों।
(गुद्ड़ और ज़ाद्ड़ै जैसे शब्दों में अर्ध-अक्षर प्रतीकों का उपयोग करके संयुक्ताक्षर नहीं बनाए जा सकते, हलंत (मूक-स्वर प्रतीक) को पूर्ववर्ती व्यंजन के नीचे रखा जाएगा।)

10. ज़ेंणे हिन्दी भाषा दी रूक्णेंओं न्शांण (,) खौत्म ओंणेओं न्शांण (।) स्वालौ न्शांण (?) न्च़ांणक ऊईदी बुषौ न्शांण (!) ओंआं बुशैरी भाषादी बी एतौ इस्तीमाल ऐंण्ईं ओंआं।
(विराम चिह्न जैसे पूर्णविराम (।), अल्पविराम (,), प्रश्न चिह्न (?), विस्मयादिबोधक चिह्न (!) आदि का प्रयोग बुशैरी में उसी प्रकार किया जाएगा जैसे कि उनका प्रयोग हिंदी में किया जाता है।)

11. बुशैरी भाषादी गिंन्ती मेड़टीलै बी लिक्णांलै 1,2,3 ई लिका।
(बुशहरी भाषा में संख्याएं अरबी अंक प्रणाली जैसे 1, 2, 3 आदि का उपयोग करके लिखी जाएंगी।)

बुशैरी गिणती

0	सीफर	30	तीस
1	एक	40	चाड़ी
2	दी	50	प्जास
3	त्रोंन	60	साट
4	च़ार	70	सौत्र
5	पांज़	80	औसी
6	छ़ौ	90	नौबै
7	सात	100	एक शौ
8	आट	200	दि शौ
9	नौ	300	चोंन शौ
10	दौस	400	च़ार शौ
11	ग्यारा	500	पांज़ शौ
12	बारा	600	छ़ौ शौ
13	तेरहा	700	सात शौ
14	चौदा	800	आट शौ
15	पोंद्रा	900	नौ शौ
16	सोड़ा	1000	एका हज़ार
17	स्तारा		
18	ठारा		
19	ड़ी		
20	भी		

भादै औख्र सातै तेतै उदार्ण

	पैलै	मतलब	माँज़	मतलब	पाच़ा	मतलब
ओ	ओच़्ड़ी	छ़ोटी	तोतौ	तोता		
	ओच्ड़ौ	छ़ोटा	खोतौ	गधा		
	ओंम्टा	उमड़ता	नोकौ	अनोखा		
	ओरू	इधर	मोरचौ	पहल करना		
औ	औज़ौ	और	ढौक	चट्टान	तोतौ	तोता
	औला	हे	थौक	थकान	खोतौ	गधा
	औसर	प्रभाव	शौक	शक	आदौ	आधा
	औक्ल	अकल	मौरौ	मरना	ज़ादौ	अधिक
	औल्दौ	नुकसान	शांऔ	देखना	बागौ	गया
	ओंन	अनाज़	मोकौ	मोका		
आ	आशौ	ज्योती	आ	आता था	बांगौ	चले जाओ
	आर	इस तरफ	ज़ानु	घुटना	आरूई	आड़ू
	आकी	आंखे	ज़ातरै	मेला	नां	नही
	आंणों	लाया	बाकौ	अच्छा	काता	बुन्ता
	आ	है	हांडणौ	चलना		
इ			शिक	अधिक	नाति	नही
			शिऊई	फली	पाच़ि	पकना
			शिशौ	आईना		
			च़िड़टू	डोसा		
			शिल	सिलबट्टा		
ई	ई	माता	छ़ीटै	कटी टहनीयां	नीसटे	निची
	ईआ	ईसे	बीऊ	बीज	च़ापटी	रोटी
	ईआंलै	इसको	च़ीनी	चिनी	दाची	दराटी
	ईंण	चमगदड़	चीम्ची	चमच		
	ईऊं	बर्फ	त्रीम्णी	गुलर		

	पैलै	मतलब	माँज़	मतलब	पाच़ा	मतलब
उ	उऔ	हो गया	नाउऔ	मौढा		
	उचौ	ऊचा	साउकार	धनवान		
	उब्ड़ौ	उबला	गाउ	गाऐ		
	उबी	ऊपर	ताउणौ	भुनना		
	उत्रौ	उतरा	काउड़ौ	कवा		
ऊ	ऊन	भेड़ के बाल			आऊ	आऊगा
	ऊज	ऊज़	काऊळौ	कौआ	नांऊ	जाऊगा
	ऊजत	छेडना	शांऊण	सावन	खाऊ	खाऊगा
	ऊबी	ऊपर	पांऊणौ	मेहमान	शांऊ	देखुगा
	ऊलटौ	विपरित	नौऊऔ	नया	चांऊ	चहाता हुं
ए	एत्रौ	इतना				
	एकलाता	इकलौता				
	एऊऔ	इसका				
	एऊकै	इसके पास				
	एणिए	ऐसे ही				
ऐ	ऐनौ	थन			नौऊऐ	नऐ
	ऐबी	कपटी			थौऊऐ	रख गया
	ऐणी	ऐसे ही			निंऊऐ	भोला-भाला
	ऐबै	सब			तेतरै	उतने
	ऐणौ	ऐसा			नौखरै	नखरे
अं	आंगशु	औज़ार	नच़ांण्क	अचांनक		
	आंजकड़ै	आंत	च़ांम्ड़ौ	चमड़ा		
	आं	आता	च़ानी	बीज़		
	आंगै	शरीर में	कांनी	ओखली		
	आंमलोड़ौ		कांन	कान		
क	काकड़ी	खीरा	बाकरे	बकरी	रूक	ठहराना

	पैलै	मतलब	माँज़	मतलब	पाच़ा	मतलब
	कौडवी	कड़वी	बेकार	खराब	रीक	भालू
	केबड़ी	कब	त्राकड़े	तराजू	कैणकौ	कैसे
	कैओळी	देवदार	ताकडौ	अच्छा	मीडकौ	मैड़क
	कान्छौ	छोटा	ताक्त	शक्तिशाली	आक	आँख
ख	खाणौ	खाना	भाखडी	चिड़िया	सीख	सीखना
	खासौ	ज्यादा	भखाण	ब्यान करना	भुख	भूख
	खाडू	मेंढा	डोखरै	खेत	बौतख	पक्षी
	खेलणौ	खेलना	ओखर	बर्तन	आ	है
	खांनदान	वंश	ओखबार	समाचार पत्र	छ़ाख	भोजन की मात्रा
ग	गुँड	पालतु पशु	भागणों	भागना	भाग	हिसा
	गाचे	पटूका	मगन	लीन	बराग	बाघ
	गड़ैई	खड के पास	शंगती	चिलगोज़ा	बेशणौ	बैठना
	ग्यारी	जुगनू	लींगड	लीगड़	किलै	क्यों
	गेली	लकड़ी का टुकड़ा	मगज	दिमाग	प्रेग	कील
घ	घोंण	मारतोड़				
	घरट	घराट			माघ	फरवरी
	घाघरौ	लंहगाँ				
	घौंऊ	आगे				
	घरकै	घर मे				
च	चापण	चारा	धाचणौ	पालना	दाच	दराट
	चीम्ची	चमच			पाच	पत्ता
	चीश	प्यास			राच	रात
	चींकु	चिड़िया के बच्चे			दाची	दराटी
	चींट	चिटी			थाच	ज़गल मे मैदान
छ	छोलै	छोलै	पाछकी बेरा	पिछली बार		

	पैलै	मतलब	माँज़	मतलब	पाच़ा	मतलब
	छाज़ौ	छज़ा				
	छिलकौ	छिलका				
	छिपकौली	छिपकली				
ज	जुऐ	जुऐ	अजीब	अनोखा		
	जुब	घास	तजुरबौ	अनुभव		
	जौंपरी	अधलोक				
	जांम्चु	गुछी				
	जौज	न्यायदीश				
झ	झाकड़	झाड़िया				
	झाड़ौ	झ़ण्डा				
	झमड़ाकी	जंगली मखी				
च़	च़ालु	चलाक	बेच़णौं	बेचना	काच़ौ	कच्चा
	च़ादर	चादर	पेच़णौ	निचौड़ना	नाच़ौ	नाचना
	च़ाऔ	चाह	फेच़णौ	दबाना	राच़ौ	खोया
	च़ाकर	जगली पक्षी	थेच़लौ	हटीला	पाच़ौ	पका
	च़ाकरी	पैहरेदार	खीच़णौ	खीचना	सौच़ौ	सच्चा
छ़	छ़ा	लस्सी	माछ़ी	मछली		
	छ़ेऊड़ी	औरत	छ़ाछ़ै	मच्छर		
	छ़लांग	छ़लाग				
	छ़ाबड़ी	टोकरी				
	छ़ीटै	कटी हुई टहनी				
ज़	ज़ागा	जगह	ज़ाजरी	भुकंप	मींज़ौ	दिमाग
	ज़ाळी	झुठ	नौज़र	नज़र	आज़	आज

	पैलै	मतलब	माँज़	मतलब	पाच़ा	मतलब
	ज़ारी	व्यविचार	बाज़ौ	बैड	नाज़	अनाज
	ज़ामचु	गुच्छी	माँज़	बिच में	राज़	रहस्य
	ज़ानु	घुटने	राज़	रहस्य	पराज़	नीदां
झ	झुड़कै	कपड़े				
	झुकड़ै	लकड़ी				
	झाकड़	झाड़िया				
	झाज़	जहाज़				
	झरनौ	चलनी				
ट	टाँग	पाव				
	टीपु	बुद	लोटकी	घड़ा	काटौ	काटा
	टाट	दरी	शेटकौ	छीलका	बाटौ	गुथना
	टसर	रजिश	शपड़ैटकौ	पसली	नाटौ	गया
	टाकर	बराबरी	आटकै	हड़ीया	टौटौ	बहरा
ठ	ठेर	पहाड़	मठैड	मीट्टी का ढेर		
	ठीलकु	लकड़ी का टुकड़ा				
	ठीकरी	तसला				
	ठाड़ी	साबुन				
ड	डाब्र	पथरीली जगह	थाडौ	टिडी	छाड	छोड़ना
	डेलकु	नमक का गोल	घाडौ	निकालो		
	डाट	मैल	छाडौ	छोड़ा		
	डोलकी	डोल्का				
	डौर	भय				
ढ	ढीडकु	गोला	मिढकौ	मेढक		
	ढिबर	तलाब				
	ढींगचौ	लकड़ी की तीली				

	पैलै	मतलब	माँज़	मतलब	पाच़ा	मतलब
	ढीट	अन आज्ञाकारी				
त	तातौ	गर्म	पौत्तौ	मालुम	तौक्तौ	लकड़
	ताक्त	बल	नेतौ	नेता	बौक्त	समय
	ताम्ट	अनाज नापने का बर्तन	कौरतौ	करता	साबत	साबुत
	तारौ	तारा	ज़णतौ	जानता	मौंनता	मन्नत
	तरिकौ	ढग	मानतौ	मानता	सुतौ	सोया
थ	थाडौ	टिडी	थिथरौ	तोतला		
	थाड़ी	थाली	थेलथेलौ	दलदला		
	थाप्पड़	थपड़				
	थौकौ	थकान				
	थीप्कु	बिदी				
द	दाची	दराटी	सौता	रोज़		
	दीशी	दिखना	कौदी	कभी		
	दांम्टौ	बैल	कौदु	कटु		
	दोती	सुबह	च़ादरू	शौल		
	दीरणों	दिखाई देंना	च़ाँदी	चांदी		
ध	धोनी	नीचे				
	धांन	चावल	आधौ	आदा		
	धाटु	धाटु				
	धांम	प्रतिभोज़				
	ध्ड़ाकैका	खुले-आम				
न	नाज़	भोजन	छनड़ी	छाननी	समान	सामान
	नाड़टौ	नाला	खांनदान	वंश	दकान	दुकान
	नौरम	कोमल	रवानां	पहचान	कांन	कान
	नौश	नाखुन	खज़ानों	खजाना	मांन	आदर
	नशांण	चिन्ह	सतांनुऔ	महसुस	शांन	वैभव

	पैलै	मतलब	माँज़	मतलब	पाच़ा	मतलब
प	पौतौ	मालुम	चापण	चारा	तोतौ	तोता
	पाच़ी	पकना	वापस	वापीस	तौक्ती	बोड़
	पाच	पता	चाप्टी	रोटी	तातौ	गर्म
	पोच़्ण	छिलका	कौप्टी	बैरी	शरतात	उताहरण
	पीशौ	पिसना	पिप्ड़ी	मिर्च	शातौ	देखता
फ	फापरौ	फपरा				
	फाचु	गाल				
	फौल	कल				
	फिपड़ी	तितली				
	किलड़ौ	सरकाड़ा				
ब	बेड	भेड़	रबड़	रबर		
	बौडु	घड़ा	डौबरु	डमरू		
	बाड़ी	हलवा	खौबर	समाचार		
	बाशटु	गाय का बच्चा	टौबर	परिवार		
	बांन	पेड़	औबर	सहनशीलता		
भ	भेऊड़	बकरी का चारा				
	भ्राग	भालु				
	भुम्बड़ौ	जग़ाली फल				
	भ्या	शादी				
	भालणी	राजमाह				
म	माँज़	बिच में	च़मोक	चमक	कौल्म	कलम
	माशणों	सफाई करना	तांम्ट	पसेर	ज़न्म	जन्म
	मांकी	मखी	च़ाम्ड़ौ	च़मड़ा		
	मोसुऔ	मोच़	सोंम्ना	सांमना		
	मुशौ	चुहा	शमशान	शमशान		
य	याद	समर्ण	ग्याई	फल		

	पैलै	मतलब	माँज़	मतलब	पाच़ा	मतलब
			सयांणों	बुजुर्ग		
			भौरतिया	भरकर		
			ध्यान	सटिकता		
र	राच	रात	च़ौरनों	जबड़ा		
	रौसा	सुरक्षा	च़ारनों	चुगांना		
			शौरमूऐ	शरमांनां		
	राच़ी	खो गई	सरकाऔ	खिसकांना		
	रोंणों	रोंनां	शेरशौ	सरसों		
ल	लौस्ण	लहसुन	शालगोंम	शलगम		
	लोंप	विचा	चालनों	चलना		
	लाटु	बल्ब	कौलगी	ताज़		
	लाटौ	जुता	कौलम	पेंन		
	लटकाऊऐ	टांगा	कलवाड़	गिरिगिट		
व	वाकैई	सच्च में	च़ावळ	चावल		
	वास्तौ	विलासा				
	वारशै	इस तरफ	फवारौ	फवारा		
	वाप्स	वापिस	च़वांनी	चवानी		
	वाड़ै	वाले	रवांना	पहचानना		
श	शरतांत	उदाहरण	शीशी	बोतल	काश	लंबा घास
	शोशौ	मज़ाक	शाशु	सास		
	शिक	बहुत	बाशटु	गाय का बच्चा		
	शीक	शिक्षा	बिशतै	अंदर		
	शौक	सन्देह				
ष			कौष्ट		बौर्ष	साल
			दुष्ट			
स	सांन	अन्धेरा	मौस्ती	मस्त	सास	स्वास

	पैलै	मतलब	माँज़	मतलब	पाच़ा	मतलब
	सेऊ	सेब	बौस्ती	बस्ती	बास	बसोला
	सकीम	योजना	तौस्ती	चित लगाकर	खास	विशेष
	साज़ौ	मेलन	सौस्ती	सस्ता	बांस	सुगन्ध
	संग्णों	सकरा	सारस्णों	त्रिप्त		
ह	हुदी	नीचे				
	हुम्डा	बिखरना				
	होंस्लौ	सात देना				
	हिम्मत	सहासी				
	हासीऔ	हस्ते हुऐ				
क्ष	क्षारौ	हलवा				
	क्षेशौ	रुखा सुखा				
त्र	त्रिम्णी		मात्रा	मात्रा		
	त्राकड़ी	तराजू	थित्रौ	तोतला		
	त्रमोंणीऐ	गहना	लुत्रौ	पोचा		
	त्रौन	तीन	ऊत्रौ	उतरना		
			शास्त्री	शास्त्री		
ड़			बड़ाई	प्रशंन्सा		
			कड़ाई	कड़ाई		
			शड़ाई	बुनाई करने की सुई		
			लड़ाऐ	युद्ध		
ढ़			पढ़ाई	पढ़ाई	काढ़	अकाल
			पौढ़ी	सीढ़ी	खराढ़	कुल्हाड़ी
			बोढ़ी	कर सकते है	राढ़ै	चिल्लाना
			कोढ़ी	कोढ़	पाढ़ै	बारी
			रोढ़ी	तंग	काढ़ै	काला

	पैलै	मतलब	माँज़	मतलब	पाच़ा	मतलब
ण			पांणी	पांनी	सांयाणों	बुजुर्ग
			नांच़णो	नाचना	पाचणौ	पालना
			चाबणों	चबाना	पीशणौ	पीसना
			काटणो	काटनां	दीशणौ	दि
			दिशणों	दिखना	ऐंणौ	ऐसा
ळ			शळाई	बुनाई सुई	शाळ	खेत
			शौळम	घास	नाळ	नाला
			औळकौ	हलका	बाळ	बाल
			हौळज़	हल्दी	हुळा	मेंड़ा
			दाळजी	कंगाल	बैळ	शांम

कांहणी

कांहणी लाईदी लिखणी

ऐकी बेरी एक छोटु तौ तेऊए रामपर पेपर तौ। तीनि बैली कौदा सेका पढ़ौ कोई डेड दी बाजै सौ रांची सुतो। दोती तैऊई बस साता बाजे रामपरा ले ना ती। तैऊऐ दोती सिर्फ पांज मीनट तैईऐ जादौ सूतुऔ। त्यार होंदा तैईए 10 मिनट लागे। बोसा आगे पौचदा सेका सौ कोई पन्द्रा बी मिनट लेट गो त हौऐ। रोड़ा सेका पौंचदा सौ कोई आदे घण्टे लेट गैत हौऐ। बस ता सेका तीदरी गेते छुटे। दुजे बस मिलाते त्रन कीलोमिटर दुर। तिदरा तांई सौ हांडेऔ भागौ। एकी घण्टा तैईए लेट हुऔ। तिदरे बस भी गेतै छूटे। तेबे तीनी तीदे कौका रामपरा तांई पौंचणा लै मौज़द मांगी। एणीकौ सौ कोई त्रन घण्टे लेट हुऔ। तैउऔ पेपर गेओत खत्म होए। तैउए पांज़ मिनटा ई ज्यादौ सुतौणें का पूरी साल खराब हुई।

इल्म : दोती सुतणें वालौ कुछ न कौरी बोड़दौ।

टीपु टीपु पांणी

एकी बेर मुं आपणे गौरकै ती बेशीदी तै मेरै गरांऊ औ एक भुड्डु मेरै गौरकै आऔ। तेऊऔ नांऊ सुरमु तौ, मारै गौरकौ नौड़कौ खराब तौ उऔदौ तेताका पांणी च़ुड़तौ तेऊ भुड्डु ऐ मुंईलै तैईया मेरी आम्मा लै बोलौ थारै जौ बौडु नौड़कै पाड कीऊलै आ लाऔदौ? हाँमै तेऊलै बोलौ मारौ नौड़कौ खराब आ ऊऔदौ एत्तांई मारै जौ बौडु नौड़कै पाड आ लाऔदौ ताकी पांणी बाराबाद नां औंदौ।

तैबै भुड्डु बौलदै लागौ जौ ता ठीक आ पर मुंई आगै एक बुश बोलौ ज़ेई तुमै एऊ बौडु पांणी ऐं टीपु का ऐंणे भौरदीआ शांऔ तै तुमुंलै एताका का शीक मिला? हाँमै दौक्गौड़ी च़ुटक रौईऔ सुच़दी लागी ज़ेई हाँमुका सौम्ज नां आऔ, तै भुड्डु हाँमुलै बोलदौ लागौ तुमै एतरौ बी का लाऔ

सुच़ी रुकौ मुंई तुमु आगै बोलु हाँमुलै एताका का शीक मीला शाऔ जौ बौडु पांणी ऐं दौक-दौक टीपु का केतरौ गेऔ भौरुई, तै जौ हाँमुलै एक उदारण आं ज़ै हाँमै हौक-हौक्ड़ी च़ीज़ै कौटै लांई कौरी तै सै शिक बोंणा तै सै च़ीज़ै मारै ज़रुरतीऐ बौक्तै कांम आं। ज़ीऊका मारै ज़रुरतीऐ बौक्ता दी परशांन नां जांदौ औणौ। एत्तांई छ़ोटी-छ़ोटी बुशै दयांना का च़ेंई शाई की हाँमै तेताका का शिकी।

रेला दी पैलौ सौफर

दी ज़ार बाई दी ज़ैई मुं एन,एल,सी,आई सी मिलिऔ काम कौरा तौ। तै तिदै मैरै दीआ बौर्षा दी शिकड़ौ तौ शिकड़ा लै मुलै दुज़ी ज़ागा दी बागणौ ज़ा तौ तैई करौनी बमारी बौज़ा का मेरै पैलै शिकड़ी बौक्ता दी मारै दूर नां गेऔ बागड़ौ तैई आनलाईन हौणे का मुंलै दुर नां बागणे गेऔ। ऐतै त्रौन मीनै बाद मुलै शिकदै औज़ौ राजस्थाना लै बागड़ौ तौ। मेरै टिकट रैला दी हुई गेऔ तौ मु पैलै बैरा रेला दी एकली चालौदौ तौ। तेकौ मेरै बागड़ैऔ बौक्त आऔ तै मुं शिमलै का चण्डीगड़ा तेई बौसा दी डुरौ सातै दौक स्टेशना तेई ओटौ दी बागौ। तैई मुं आपणी रेला लागणी ज़ागा तैई बागौ तैत बैशीऔ मुलै एक मामटै मिलौ तेऊ सी बेशीऔ शीक बुशे मारी। तेई तेऊऐ बी राजस्थाना लै बागणौ तौ तै बौक्तौ ठैऊ बी नां चालौ तै मारी रेला बागड़ेऔ बौक्त हुऔ तै हामा बैशै तै पाज़ मिटा बाद रेल चालै तै रेला दी कौलै खाईऔ सुतौ तै दुज़ै दिना मुं शिकड़ी ज़ागा दी पौचौ तै मेरौ डौर बी काम हुऔ। ऐणी कौ मेरौ पैलै सौफर बाकौ रौऔ।

बुशैरै एकी लाकैऔ दौक ज़ेऔ इतिआस

पैल्कै बौक्ती बुशै आ, ज़ेई सौड़की नां औ ती, तौदक्णी लोगै भादौ नाज़-प्यार आप्णे ढोक्रैदी औ तौ। सै दकांनी का किच़बी च़िज़ै नां लै तै, भादौ नाज़ आप्णोईं खा तै। तेऊ नाज़ा खाईऔ लोग् काटै औ तै भादौ कांम झ़रकाऊतै।

ऐबै ज़मांनों, ख्राब नाज़्क लोग आ। शूंणों बै का जा तौ कौरनों सौड़कै नां औ ती गाडी बौसै नां हाँड्ती, सौड़क ति नोग्ड़ी सेका ई लोग तेऊ बौक्तै लूंणां आंण्दै हाँडीऔ नोग्ड़ीआ लूंणां पाईऔ नातै ऐंणो ज़्मांनों तौ, बिज़ड़ी नां औ ती, आशैलै झ़ोक्टी ज़ाड़तै। गैएस् नां औ तौ आगी मैतै चांण्तै नाज़, किच़ सूविदा नां औ ती, लोग बौडै पाकै सातै बांकै औ तै।

ऐबै ज़ेतीइ सूविदा तेतीइ न्कांमें लोग शौर्म नां लाज़ किच़ नेंईं आं। ज़्मांनें-ज़्मानी बूशै ओंआं, एकी बेरा का ऊऔ, काशपाटौ एक बौडौ साउकार बांकै गौरा-बारा बौरौ तौ, तेऊऐ का किऔ तेऊऐ आप्णे ढोक्रैदी लूंण बी पोरू मारौ बौइ आज़कै लोग ज़ाणा नां तेऊ मूर्क आ, सौ का पौतौ तौ बै तौदक्णी पौड़ौ लिकौ ज़्मांनों नेंईं तौ, कैई च़िज़ौ पौतौ नां औ तौ, पौर लोग बौडै मांनदार औ तै बांकैका रौतै, आर-गरदारिदी नां पौड़तै पौर ऐबै ज़ेतीइ ज़ांण कार तेतीइ क्दूष्ट झ़ुटै-खोटै न्कांमें लोग आ।

बाकी चौप्ड़नों कालीका

औख्रौब्ड़ार

ओ

ओंम्टा	उमड़ता	ओच्ड़ौ	छ़ोटा
ओकर	बर्तन	ओरू	यहा
ओच़्ड़ी	छ़ोटी	ओंन्	अनाज़

औ

औक्ल	अकल	औला	हे
औज़ौ	और	औळकौ	हलका
औल्दौ	नुकसान	औसर	फरक

आ

आऊ	आऊगा	आर	इस तरफ
आक	आँख	आशौ	ज्योती
आकी	आंखे	आं	आता
आज़	आज	आंगशु	औज़ार
आटकै	हड़ीया	आंज्कड़ै	आंत
आ	है	आंणों	लाना
आदौ	आधा	आंमलोड़ौ	हरे पत्तै

ई

ई	माता	ईआंलै	इसको
ईआं	ईसे	ईंण	चमगादड़

उ

उऔ	हो गया	उब्ड़ौ	उबला
उचौ	तोड़ौ	उबि	ऊपर

ऊ

ऊत्रौ	उतरना	ऊड़टौ	विपरित
ऊन	भेड़ के बाल		

ए

एऊऔ	इसका	एकलौतौ	इकलौता
एऊकै	इसके पास	एत्रौ	इतना

ऐ

ऐंणी	ऐसे ही	ऐबी	कपटी
ऐंणो	ऐसा	ऐबै	अब
ऐनों	थन		

क

कडूवी	कड़वी	काड़	अकाल
कलवाड़	गिरिगिट	काड़ौ	काला
काउड़ौ	कवा	काता	धागा बनाना
काकड़ी	खीरा	काणच़ौ	छोटा
कागौ	कौआ	काश	लंबा घास
काच़ौ	कच्चा	कांन	कान
काटणो	काटनां	कांनी	ओखली
काठौ	कठोर	किलै	क्यो

काश	ड़डियो वाला घास
केबड़ी	कब
कैओळी	देवदार
कैणकौ	कैसे
कोढ़ी	कोढ़
कौदी	कभी
कौद्दु	कद्दु
कौप्टी	बैरी
कौरतौ	करता था
कैलगी	कलगी
कौल्म	कलम

ख

खज़ानों	खजाना
खराढ़	कुल्हाड़ी
खाऊ	खाऊगा
खाडू	मेंढा
खाण	खाना
खांनदान	वंश
खास	विशेष
खासौ	ज्यादा
खांनदान	वंश
खीच़णौ	खीचना
खेलणौ	खेलना
खौबर	समाचार

ग

गड़ैई	नदी के पास रहने वाला
ग्याई	फल
ग्यारी	जुगनू
गाउ	गाय
गाची	कमर बध
गुँड	पालतु पशु
गेली	पेड़ का कटा भाग
गोरि	नारियल

घ

घऊ	आगे
घौरकै	घर मे
घौरट	घराट
घ्रोंणो	ग्रहण
घाघरौ	लंहगाँ
घाड़ौ	निकाला
घाडौ	गड्डा
घादौ	गधा
घाप्टु	भेड़ का बच्चा
घोंण	मारतोड़

च

चसकौ	पीठ का दर्द	चीम्ची	चमच
चापण	चारा	चीश	प्यास
चाशण	चाशनी		

छ

छौज़ौ	छज़ा	छाडौ	छोड़ा

ज

जौ	यह

झ

झाकड़	झाड़िया	झाज़	जहाज

च़

च़ौमक	चमक	च़ारनों	चुगांना
च़वांनी	कद्दू का बीज़	च़ालु	चलाक
च़ाऔ	चाह	च़ावळ	चावल
च़ाकर	जगली पक्षी	च़ांम्ड़ौ	चमड़ा
च़ाकरी	पैहरेदार	च़ीनी	चिनी
च़ादर	चादर	च़ौरनों	जबड़ा
च़ापटी	रोटी		

छ़

छ़लांग	छ़लाग	छ़ा	लस्सी

छ़ाख	भोजन की मात्रा	छ़ीटै	कटी हुई टहनी
छ़ाछै	मच्छर	छ़ेऊड़ी	औरत
छ़ाबड़ी	टोकरी		

ज़

ज़ण्तौ	जानता	ज़ानु	घुटने
ज़ौल्म	जन्म	ज़ामचु	गुच्छी
ज़ागा	जगह	ज़ारी	व्यविचार
ज़ाजरी	भुकंप	ज़ाळी	झुठ
ज़ातरै	मेला	ज़ेई	जब
ज़ादौ	अधिक		

झ़

झ़रनौ	चलनी	झ़ुकड़ै	लकड़ी
झ़ाज़	जहाज़	झ़ुड़कै	कपड़े

ट

टौसर	रजिश	टीपु	बूँद
टाकर	बराबरी	टौटौ	बहरा
टाट	दरी	टौबर	परिवार
टाँग	पाँव		

ठ

ठडौर	चौट लगने पर सुझना	ठीलकु	लकड़ी का टुकड़ा
		ठेर	पहाड़
ठाड़ी	साबुन बनानै वाला		

ड

डाट	मैल	डोलकी	डोल्का
डाब्र	पथरीली जगह	डौबरु	परात
डेलकु	नमक का गोल	डौर	भय
डोखरे	खेत		

ढ

ढिबर	तलाब	ढींगचौ	लकड़ की तीली
ढीट	अन आज्ञाकारी	ढौक	पहाड़
ढीडकु	गोला		

त

तजुरबौ	अनुभव	ताम्ट	अनाज नापने का
त्रमोंणीऐ	गलै का गहना	तारौ	तारा
त्राकड़े	तराजू	तांम्ट	पसेर
त्रिम्णी	गुलर	तेतरै	उतने
त्रौन	तीन	तोतौ	तोता
ताउणौ	भुनना	तौक्ती	तक्ती
ताकडौ	अच्छा	तौक्तौ	लकड़ी का फटा
ताक्त	शक्तिशाली		

थ

थाड़ी	थाली	थीप्कु	बिदी
थाडौ	टिडी	थेच्लौ	हटीला
थाप्पड़	थपड़	थौऊऐ	रखा गया
थित्रौ	तोतला	थौकौ	थकान

द

दकान	दुकान	दांम्टौ	बैल
दाच	दराट	दिशणों	दिखना
दाची	दराटी	दीरणों	दिखाई देंना
दाची	दराटी	दीशी	दीखना
दाळजी	कंगाल	दोती	सुबह

ध

ध्यान	गंभीरता	धांम	प्रति भोज़
धोनी	नीचे	धाकौ	गिराना
धांन	चावल	धाचणौ	पालना
धाटु	धाटु		

न

नच़ांण्क	अचांनक	निंऊऐ	नम्र
नशांण	चिन्ह	नीसटे	निची
नाचणौ	नाचना	नेतौ	नेता
नाज़	अनाज	नोकौ	अनोखा
नाटौ	गया	नौज़र	नज़र
नाड़टौ	नाला	नौऊऐ	नऐ
नाति	नही	नौऊऔ	नया
नाळ	नाला	नौखरै	नखरे
नां	नही	नौरम	कोमल
नांऊ	जाऊगा	नौश	नाखुन

प

पढ़ाई	पढ़ाई
पराज़	नीदां
प्रेग	कील
पाच	पता
पाच़ौ	पका
पाच़की बेरा	अंत में
पाढ़ै	बारी
पांऊणौ	मेहमान
पांच	साझा
पांणी	पांनी
पिप्ड़ी	मिर्च
पीशणौ	पीसना
पेच़णौ	निचोड़ना
पोच्ड़	छिलका आलु का
पौढ़ी	सीढ़ी
पौत्तौ	मालुम

फ

फ्वारौ	फवारा
फाचु	गाल
फापरौ	फपरा
फिपड़ी	तितली
फौल	फल

ब

बड़ाई	प्रशंन्सा
बतख	बतख
बराग	बाघ
बाकरे	बकरी
बांकौ	अच्छा
बागौ	गया
बाटौ	गुथना
बाड़ी	आटे का हलवा
बाळ	बाल
बाशटु	गाय का बच्चा
बास	बसोला
बांन	पेड़
बास	गन्ध
बिशतै	अंदर
बेकार	खवाब
बेच़णौं	बेचना
बेड	भेड़
बेशगौ	बैठना
बैळ	शांम
बौक्त	समय
बौडु	घड़ा
बौर्ष	साल

बौस्ती	बस्ती

भ

भखाण	ब्यान करना
भ्या	शादी
भाखडी	चिड़िया
भाग	हिसा
भागणों	भागना
भाट	पड़ित
भालणी	राजमाह
भुख	भूख
भुम्बड़ौ	जग़ली फल
भेऊड़	बकरी का चारा

म

मौगज़	दिमाग
मगन	लीन
मठैड	मीट्टी का ढेर
माघ	फरवरी
माच़णौ	मतवाला पन
मात्रा	मात्रा
मानतौ	मानता था
माशणों	सफाई करना
माँज़	बिच में
माकी	मखी
मांजका	बीच में
मांन	आदर
मीडकौ	मैड़क
मींज़ौ	दिमाग
मुशौ	चुहा
मोकौ	मोका
मोरचौ	पहल करना
मोसुऔ	मोच़
मौरौ	मर गया
मौंनता	मन्नत

य

याद	समर्ण

र

रौबड़	रबर
राच	रात
राच़ी	खो गई

राचौ	खोया
राज़	रहस्य
राढ़ै	चिल्लाना
रीक	भालू
रूक	ठहर जाऔ
रोढ़ी	तंग
रोंणों	रोंनां
रौक्शा	सुरक्षा

ल

लटकाऊऐ	टांगा
लड़ाऐ	युद्ध
लाटु	बल्ब
लाटौ	जुता
लींगडौ	लीगड़
लुत्रौ	पोचा
लोटकी	घड़ा
लोंप	लैम्प
लौस्ण	लहसुन

व

वाकैई	सच्च में
वाड़ै	वाले
वापस	वापीस
वारशै	इस तरफ
वास्तौ	दिलासा

श

शड़ाई	बुनाई करने की सुई
शपडै टकौ	पसली
शमशान	शमशान
शरतांत	दृष्टान्त
शंगती	चिलगोज़ा
शातौ	देखता था
शारौ	इशारा
शालगोंम	शलगम
शाळ	छौटा खेत
शाशु	सास
शास्त्री	शास्त्री
शांऊ	देखुगा
शांऊण	सावन
शांऔ	देखा
शांन	वैभव
शिऊई	फलिया
शिक	बहुत
शिल	सिलबट्टा

शिशै	आईना
शीक	शिक्षा
शीशी	बोतल
शेटकी	छीलका
शेरशौ	सरसों
शोशौ	मज़ाक
शौक	रूचि
शौक	सन्देह
शौड़दौ	दर्द
शौरमूऐ	शर्माना
शौळम	लम्बी घास

स

सकीम	योजना
सतांनुऔ	महसुस हुआ
समान	सामान
सयांणों	बुजुर्ग
सरकाऔ	खिसकांना
संग्णों	सकरा
साउकार	धनवान
साज़ौ	मेलन
साबत	साबुत
सारस्णों	त्रिप्त
सास	स्वास
सांन	अन्धेरा
सुतौ	सोया
सेऊ	सेब
सोंम्ना	सांमना
सौच़ौ	सच्चा
सौदा	रोज़
सौस्ती	सस्ता

ह

हाडणौ	चलना
हासीऔ	हस्ते हुऐ
हिम्मत	साहस
हुदी	नीचे
हेज़णौ	झाड़ू मारना
होंस्लौ	तसल्ली देना
हौळज़	हल्दी